Shri M. L. Jadhav (Malegaon): Is it correct to say that the Naga hostiles are intruding into the State of Assam?

Dr. Ram Subhag Singh: They came into Assam and fired.

द कछवाय (देवास) : मैं जानना चाहता हूं कि हमारी शान्ति वार्ता की आड़ में जैसा कि प्रधान मंत्री ने बताया कि कुछ लोग असन्तुष्ट हैं हमारी बातचीत से, वे ऐसी कार्यवाही करते हैं तो उस कार्यवाही के ऊपर नियंत्रण रखने के लिए और उन का दमन करने के लिये आप ने कौन से विशेष कदम उठाये हैं। उन के द्वारा जब गोली चलाई गई थी और आप ने उस की जांच कर ली है कि वह कहां की बनी हुई है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : कहां की हैं यह तो जांच होगी तब पता चलेगा। बाकी यह है कि जहां वारदात होती है वहां उस को रोकने की कार्यवाही करते हैं और कई जगह मुकाबला भी हुआ है।

श्री राम हरख यादव (आजमगढ़) : रेलवे मंत्री ने बताया कि यह गौहाटी और तिनसुखिया के बीच का बहुत जरूरी रास्ता है सारे आसाम के लिए। मैं जानना चाहता हूं कि क्या जो मौजूदा इन्तिजाम है उस को मजबूत बनाने की कोशिश की जा रही है या सरकार को इतने पर ही संतोष है कि वहां अमन अमान कायम है ?

डा० राम सुभग सिंह : उस को मजबूत बनाना निहायत आवश्यक है और रेल की दृष्टि से भी इस को काफी मजबूत करने की आवश्यकता है और इस के लिये हम ने तयारियां की हैं। हमारे ए एस ई एफ कमांडर वहां जा रहे हैं और जो जरूरत होगी उस को काफी जल्दी पूरा किया जाएगा।

श्री बड़े (खारगोन) : पहले हाउस में कहा गया था कि शान्ति वार्ता पहले की जाएगी और उस के बाद दूसरे रास्ते इख्तियार किए जायेंगे। शान्ति वार्ता के बारे में नागा लैंड के चीफ मिनिस्टर ने कहा है :

> "The Chief Minister of Nagaland warned the underground Nagas against violation of peace terms and appealed to the people to exercise their influence in favour of permanent peace."

इस प्रकार नागा लैंड के चीफ मिनिस्टर ने कहा है। यह उन की एक स्ट्रेटजी चल रही है कि इधर पीस टाक करो और उधर बार्डर में पाकिस्तान की मदद से डिसटरबैंस करो। ऐसी हालत में क्या सरकार शान्ति वार्ता को खत्म कर के कोई दूसरा रास्ता इस्तेमाल करने जा रही है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : अभी तो बातचीत होगी। बातचीत में बहुत सी बातें आवेंगी और ये बातें भी आवेंगी। और जो कुछ हम कर रहे हैं चीफ मिनिस्टर की राय से ही कर रहे हैं।

12.22 hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE (Query)

Mr. Speaker: I have admitted another Calling Attention Notice which refers to the concentration of Pakistani Army with heavy artillery and tanks in the Barmer sector of Rajasthan.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I have to say something.

Mr. Speaker: I have not called upon anyone now.

Shri Nath Pai (Rajapur): Since you referred to the notice, we want to have some information.

Mr. Speaker: Either the answer can be placed on the Table of the House or, if Members want to put questions, then I will take it up at quarter to five.

श्री काशवीर शास्त्री (बिजनौर) : यह एक दिन की बात नहीं है, यह तो रोज की बात है, कभी यह राजस्थान की सीमा पर होता है कभी पंजाब की सीमा पर। तो इस पर तो चर्चा होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : कई मेम्बर एक साथ खड़े हो कर नहीं बोल सकते।

श्री नाथ पाई : हम को प्रश्न पूछने का मौका मिलना चाहिए, कई दिनों से यह बात चली आ रही है।

Mr. Speaker: At quarter to five it might be answered and then I will allow the questions. (*Interruption*).

श्री बड़े (खारगोन) : इस को अभी लिया जाए।

श्री स० मो० बनर्जी : मेरा एक निवेदन है।

अध्यक्ष महोदय : सब खड़े हो जायें, लेकिन जिस को मैं बुलाऊं वह बोले।

श्री स० मो० बनर्जी : यह आज एडमिट हो जाएगा यह हम को मालूम नहीं था। आज सवेरे ही हम ने काल एटेंशन नोटिस दिए हैं इस पर। हम को सवाल करने का मौका मिलना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने यही कहा है। अगर आज किसी ने नोटिस दिया होगा तो उस को मौका दिया जाएगा।

श्री स० मो० बनर्जी : अभी लिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : अभी कैसे लिया जा सकता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : मुझे बाहर जाना है, इसलिए अभी ले लिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : नहीं।

Shri Nath Pai: Can it not be taken at three, Sir? We have other commitments; and normally we expect the Calling Attention Notice to be taken up at the usual hour.

Mr. Speaker: I have been avoiding that rule, though, it is not, I should say, regularly that I have been doing so. But I take it up after the business of the day is over, because the rules allow that only one can be taken up on anyone day.

Shri Daji (Indore): For all of us it would be convenient, namely, three O'clock.

Shri Nath Pai: If it is not inconvenient for the Minister, we can take it up at 3 p.m.

Mr. Speaker: If it is convenient to the Minister, then it means . . .(*Interruption*). Order, order.

An hon. Member: Private Members' Business.

Mr. Speaker: Then, I can take it up at 2.30, when the Government business is over and when the Private Members' Business is to be taken up. Is it convenient to the Minister?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): Yes, Sir.

Mr. Speaker: All right; it will be taken up at 2.30 p.m.

12.23 hrs.

PRESIDENT'S ASSENT TO BILL

Secretary: Sir, I lay on the Table the Appropriation (No. 5) Bill, 1965, passed by the Houses of Parliament during the current Session and assented to by the President since a report was last made to the House on the 26th November, 1965.